

प्रेषक,

कुँवर सिंह,  
अपर सचिव  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तरांचल ।

पेयजल अनुभाग- २

देहरादून: दिनांक २५ जून, २००५

विषय:- वित्तीय वर्ष २००५-०६ में जिला सेक्टर के अन्तर्गत ग्रामीण पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार/पुनर्गठन एवं सुदृढीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य महाप्रबन्धक, कार्यालय उत्तरांचल जल संस्थान देहरादून के पत्रांक ७२६/वि०अनु०धनावंटन/२००५-०६ दिनांक २५ मई, २००५ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष २००५-०६ में ग्रामीण पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार/पुनर्गठन/एवं सुदृढीकरण हेतु निम्नवत् जनपदवार विवरणानुसार रु० १४,१२,००,०००/- (रु० चौदह करोड़ बारह लाख मात्र) की धनराशि जिला योजनान्तर्गत अनुमोदित कार्यों पर व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि रु० लाख में)

क्र० सं०	जनपद का नाम	परिव्यय	निर्धारित लक्ष्य		अवमुक्त धनराशि
			योजनायें	हैण्डपम्प	
१	देहरादून	२६६.७१	२१	—	१३४.००
२	पौड़ी	३४०.००	१५५	—	१७०.००
३	चमोली	१७९.३०	८०	—	९०.००
४	रूद्रप्रयाग	१६५.२०	५६	—	८३.००
५	टिहरी	३०२.००	१८०	—	१५१.००
६	उत्तरकाशी	२५५.००	१७८	—	१२७.००
७	हरिद्वार	१३८.२०	११	—	६९.००
८	नैनीताल	१६५.००	५४	१२	८३.००
९	उधमसिंह नगर	२०३.५०	२०	—	१०१.००
१०	अल्मोड़ा	१९०.००	५६	२९	९५.००
११	पिथौरागढ़	२५०.००	९२	४०	१२५.००
१२	बागेश्वर	१७६.००	४२	३१	८८.००
१३	चम्पावत	१९२.९०	६०	—	९६.००
	योग:-	२८२३.८१	१००५	११२	१४१२.००

2- स्वीकृत धनराशि उत्तरांचल जलसंस्थान के सम्बन्धित अधिशारी अभियन्ता/नोडल अधिकारी (सम्बन्धित जनपद) के हस्ताक्षर तथा सम्बन्धित जिलाधिकारी, के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल सम्बन्धित जनपद के कोषागार में प्रस्तुत कर वास्वविक आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी। आहरण के तुरन्त उपरान्त बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक शासन एवं महालेखाकार को उपलब्ध कराई जाय।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्ही कार्यों पर किया जायेगा जिनके लिए जनपद की जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदन प्राप्त हो तथा अनुमोदित परिचय के अन्तर्गत हो। स्वीकृत धनराशि ऐसे कार्यों पर कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवाद ग्रस्त हों। दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त योजनाओं के पुनर्स्थापना/पुनर्गठन हेतु वित्त पोषण यदि दैवीय आपदा से हो गया हो तो क्षतिग्रस्त योजनाओं में प्राविधानित धनराशि का उपयोग अन्य योजनाओं के सुदृढीकरण पर किया जायेगा।

4- उक्त धनराशि इस शर्त के अधीन स्वीकृत की जा रही है कि उक्त धनराशि से प्रथमतया 75 प्रतिशत से अधिक पूर्ण योजना, द्वितीय 50 प्रतिशत या उससे अधिक पूर्ण योजना एवं तृतीय 25 प्रतिशत से अधिक पूर्ण योजना पर व्यय की जायेगी एवं कोई भी अधूरी योजना न रहने की स्थिति में नयी योजना में धनराशि व्यय की जायेगी।

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार एवं गत वर्ष स्वीकृत धनराशि के 80 प्रतिशत उपयोग के उपरान्त ही शासन को कार्यवार वित्तीय/भौतिक प्रगति उपलब्ध करते हुए दिया जायेगा।

6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल फाईनेन्शियल हैण्डबुक अथवा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों एवं विस्तृत आगणनों पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति के साथ-साथ सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

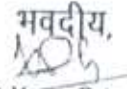
7. निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय, गुणवत्ता से सम्बन्धित सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित अधिशारी अभियन्ता का ही होगा।

8- उक्त धनराशि का आहरण विगत वर्ष उक्त योजनान्तर्गत स्वीकृत धनराशि के 80 प्रतिशत के उपयोग के उपरान्त ही किया जायेगा। आहरण के पूर्व इसकी सूचना शासन को दे दी जायेगी।

9- यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि जनपदवार उन्ही योजनाओं पर व्यय किया जाये जो जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित हों और जनपदवार प्लान परिव्यय के अनुसार ही हों।

10- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम-91-जिलायोजना-02- ग्रामीण पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं का जीर्णोद्धार -20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं० 603/वि०अनु०-3/2005 दिनांक- 15 जून, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

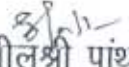
भवदीय,  
  
 (कुँवर सिंह)  
 अपर सचिव

संख्या- १०/(1)/उन्नीस/04-2-(14पे०)/2005, तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ, पौड़ी/नैनीताल।
- 3- मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
- 4- महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, पौड़ी/नैनीताल।
- 5- कोषाधिकारी, समस्त जनपद, उत्तरांचल।
- 6- अध्यक्ष, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
- 7- प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-3/वित्त (बजट सेल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 9- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
- 10- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 11- निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से

  
 (सुनीलश्री पांथरी)  
 अनु सचिव